















# ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार को कुचला, मौत

शाह टाइम्स संचाददाता

अंवेटा। नकुड़ रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार को कुचला, दर्दनाक मौत, ग्रामीणों ने लगाया जाम पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझा बूझकर जाम खुलाया।

नकुड़ कावतारी अंतर्गत गांव नलहेड़ी का निवासी पूर्व प्रधान योगेंद्र सिरोही की भयोंजा 27 अंतर्यामी विधिविधि सिरोही अपनी बाइक पर सवार होकर अंवेटा कस्बे में सामान लेने आ रहा था जब उसका निकलते ही नकुड़ रोड पर जाम करीब 5:30 बजे नकुड़ ने पाठी से बाइक मैं ट्रैक्टर ट्राली को लेकर सड़क पर चला था। ग्रामीणों ने एक बाइक के चलकर दिया जिनकी हादसे में मौत हो गई ट्रैक्टर ट्राली लेकर मौके पर रोहरा ही गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण और युवक के परिजन मौके पर पहुंचे और उडाकर इलाज के लिए चिकित्सा के पास ले गये जहां उस मृत घोषित कर



दिया। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर ट्राली चालक को गिरफ्तारी को लेकर सड़क जाम कर हांगमा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही नकुड़ थाना प्रभारी अधिकारी गौतम मौके पर पहुंचे और स्थिति को

नियंत्रित करने का प्रयास लेकिन बात नहीं हुई। ग्रामीण उड़ाने जाम खोने से इनकार कर दिया। इसके बाद सरसावा थाना पुलिस, थाना रामपुर मिल्हाराण पुलिस गांव हथाना पुलिस मौके पर पुलिया गया। थाना प्रभारी

सिंह, राजू, सिरोही, अमित प्रधान, कुलवर सिरोही, निवार पर उस ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर इनती भीषण थी कि बाइक

सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। जाम के कारण सड़क पर बाहों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टेन के लिए भंज दिया और ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि ममला की जांच की जा रही है और परिजनों की तहरीक के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी के आधार पर ट्रैक्टर चालक की पहचान की जा रही है।

इस हादसे ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिए हैं। ग्रामीणों ने प्रश्नान से सड़क हादसों को संकेत के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। पूर्व प्रधान योगेंद्र सिरोही ने बताया कि मुक्त रक्त रसायन ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक तक रसायन ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक इनती भीषण थी कि बाइक

ओमकुमार, वीरबल, प्रमोद, सत्यपाल, अमरीश, कार्तिक, उदीत, डॉ. अर्दिव, डॉ. जगवीर, सुशील, गर्जन, रोहताश, विल्लु, सुनील, मास्टर हरप्रीत, महीपाल, सिंह, हरप्रीत, गौतम और संदीप ने भी ग्राम प्रधान को उदास नेता पर रोष जाता। उनका कहना है कि बार बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

# गंदगी व जलभराव से परेशान स्कूली बच्चे



शाह टाइम्स संचाददाता  
छुटमलपुर। मुजफ्फरनगर जलभराव स्कूलों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिए हैं। ग्रामीणों ने प्रश्नान से सड़क हादसों को संकेत के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। पूर्व प्रधान योगेंद्र सिरोही ने बताया कि मुक्त रक्त रसायन ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक तक रसायन ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवार को टक्कर बना दी। बाइक इनती भीषण थी कि बाइक

ग्रामीणों ने प्रश्नान से मांग की है कि नालियों की सफाई और स्कूल के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए। मास्टर सत्यपाल ने चेतावनी दी कि बार जल्द ही समस्या का समाप्तन नहीं हुआ, तो ग्रामीण अंदोलन करने का मजबूत होंगा। वह निश्चिन न कंबल बच्चों पर बहात है, जिससे बद्रु और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय निवासी उठारही हैं।

प्रधान और सफाई कर्मचारी इस समस्या को ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे।

भारतीय किसान यूनियन ट्रिकेट के मंडल उत्तराखण्ड मास्टर सत्यपाल

जीधरी ने बताया कि ग्राम प्रधान समाप्तन नहीं हुआ, तो ग्रामीण अंदोलन करने का मजबूत होंगा। वह

निश्चिन न कंबल बच्चों पर बहात है, जिससे बद्रु और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय निवासी

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

भारतीय किसान यूनियन ट्रिकेट के मंडल उत्तराखण्ड मास्टर सत्यपाल

जीधरी ने बताया कि ग्राम प्रधान समाप्तन नहीं हुआ, तो ग्रामीण अंदोलन करने का मजबूत होंगा। वह

निश्चिन न कंबल बच्चों पर बहात है, जिससे बद्रु और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय निवासी

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया जाए।

ग्रामीणों की निवासी को उत्तराखण्ड के आसपास की गंदगी को तुरंत हटाया ज





## टिप्पणी पर राजनीति

नेता प्रतिष्ठक राहुल गांधी यह आरोप बराबर लगाते रहते हैं कि चीन ने बड़े पैमान पर हमारी भूमि पर कब्जा किया हुआ है। वह यह भी कहते हैं कि चीन ने हमारी दो हजार वर्गकिमी की जमीन चुरा ली है। उनकी इन विवादित बातों का मामला सुनीम कोर्ट की दहलीज पर भी पढ़ूँच गया है। सूमिवार को इस तरह की विचाका पर सुनवाई करते कोई सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने उनको इस बात को लेकर आई द्वारा लिया कि अपकी बातें जिम्मेदाराना हैं। न्यायमूर्ति दोपांकर दत्ता ने तो खुलकर राहुल गांधी की ओर जिम्मेदाराना व्यवहार भी लगाई और कहा कि विषयक का एक जिम्मेदार नेता होने के नाते राहुल गांधी को ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उनका कहना था कि आप को कैसे पता चला कि दो हजार वर्गकिमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया। क्या आप वहां थे, क्या आपके पास कोई विवरसनीय जानकारी है।

पीठ ने उनसे यह भी पूछा कि बिना किसी सबूत के आप ऐसा बयान करों दे रहे हैं और बड़ी बात जो कहाँ वह यह है कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहिए। इस पर हालांकि की ओर यह वरिष्ठ अधिवक्ता अभियंक सिंघवी ने कहा कि आप विषयक के नेता मुद्रै नहीं उठा सकते, तो यह दूसरी गांधी स्थिति होगी। वहां सत्ता पक्ष गद्दर दिखाई दे रहा है और सुप्रीम कोर्ट की इस फटकार को जो उसने राहुल गांधी को दी है बेहद खुश नजर आ रहा है। संसद की कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा भी कि सर्वोच्च अदालत की ओर से लोकसभा में विषयक के नेता राहुल के बारे में जिप्पणी की गई वह सबके लिए सबक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय जनराजीक गढ़बंधन की बैठक में सदस्यों से कहा कि गलत बात बोलने पर न्यायालय भी नुच्छ नहीं बैठेगा। पीठ का भी यह कहना था कि सबके लिए यह एक सबक है कि आप एक जिम्मेदार नागरिक हैं और कुछ भी अनाप-शानप्रबालक बच नहीं सकते।

वहीं मंगलवार को विषयकी दलों की बैठक में भी यह मुद्रा उठा। राहुल गांधी ने खुद इसकी जानकारी दी। इस बैठक में जहां यह सहमति बनी कि सभी जनता के मुद्रों को मिलकर उठाएं, वहां एक न्यायाधीश की टिप्पणी जो राहुल गांधी पर की गई, चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं का गलत बात पर बहुमत है कि वर्तमान के मुद्रों के नेता इस पर सहमत हैं कि वर्तमान न्यायाधीश ने एक ऐसी टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। कांग्रेस मनती है कि राष्ट्रीय हित के मुद्रों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों विशेषकर विषयक के नेताओं की जिम्मेदारी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी टिप्पणी पर नाराजगी यह कहकर जताई कि वह माननीय जर्जों का पूरा सम्मान करती हैं, लेकिन साथ ही वह कहना चाहती है कि वह यह तय नहीं करेगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई राहुल गांधी की भी भारतीय सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है, भाई की जान है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है। इसमें कई दोस्रे राहुल गांधी की बैठक में सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।

### जज तय नहीं करेंगे, कौन सच्चा भारतीय

सुप्रीम कोर्ट के माननीय जर्जों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूँ कि वह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई राहुल गांधी की भी भारतीय सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है, भाई की जान है, सरकार के गलत मतलब निकाला गया, राहुल गांधी के एक सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।



प्रियंका गांधी  
कांग्रेस महासचिव

## एक उठानीद: दूटते हुए इथते में भी बन सकती है बात

हर रिश्ता अपनी एक खास कहानी कहता है, कुछ भी ऐसे पल, कुछ उलझनें, और कई बातें बोलती हैं जो यह तय नहीं करते हैं। चाहे यह तय नहीं या यह तय नहीं पूछा जाए, कुछ दुरिघाट ऐसी होती हैं जो लगभग हर जाड़ को छूती हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानीय अक्सर एक जैसी लातात हैं। इसी साचे के साथ हमने

कुछ अनुभवी को प्रेस थेरेपिस्ट से बातचीत की ओर जानी की कोशिश की, ऐसे कोई जैवानीय जर्जों के बारे में सबकहते हैं?

उनके जैवानीय जर्जों के बारे में सबकहते हैं कि आप हमारी एक खुशाहाल रिश्ता वाली जिसमें कभी ज्ञागड़ा न हो, बल्कि वो होता है कि जिसमें दोनों साथी ज्ञागड़े को समझदारी से हैंडल करना जानते हों। उनके मुताबिक, रिश्ते में सबकहते हैं कि आप हमारी एक खुशाहाल जिसानीय जर्जों को लेकर होता है और उन्हें सुलझाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं—लचालीपन, जिजारा, और अपार अभ्यास।

डॉ. चेम्बर्स कहते हैं, अगर आप एक वातचीत में इस दृश्य से जाते हैं कि आप ही सही हैं और आपका पार्टनर गलत, तो समाधान मुश्किल होगा, लेकिन अगर आप यह मानते हैं कि हम अपने मतभेदों को कई तरीकों से

मुलझा सकते हैं, तो रिश्ता मजबूत बनता है। मतभेद तो हर किसी के होते हैं, लेकिन जो जोड़े उठाने समझदारी से संभालते हैं, वहीं रिश्ते में सच्ची संतुष्टि पाते हैं।

दूटते के बाद जुड़ना भी एक कला है।

हर ज्ञागड़ के बाद जो सबसे जरूरी चीज होती है, वो है वास्तवी यानी किरण से एक-दूसरे से जुड़ना। मिसेसोंग को सेक्स थेरेपिस्ट डॉ. लारिंग को गोले मर्दी के मुताबिक, रिश्ते की असली भावतीत इस तरह में होती है कि आप कोई मतभेद के बाद दोबारा कींसे जुड़ते हैं। मरम्मत कोई जाड़ नहीं, बल्कि एक सीखने लायक स्किल है। माफी कैसे मांगनी है, किस पल बात करनी है, कब चप रहना है, यह सब समझदारी और अभ्यास से आती है।

हर इंसान की जुड़ने की भाषा अलग होती है। कोई गले लगाने से शांत होता है, तो किसी को थोड़ा बक्तव्य चाहिए होता है। कोई खुलकर बात करना पसंद करता है, तो कोई खुलासा नहीं होता है कि हम सिफ़र बहस से नहीं, बल्कि बहस के बारे में होता है।

सही-गलत से ज्यादा जरूरी है, क्या महसूस हो रहा है

कि हम अपने मतभेदों पर अटक जाते हैं, तो वो बातचीत नहीं रह

जाती, वो मुकाबला बन जाती है, मैं बनाम तुम, लेकिन महसूस कर होता है? क्यों वो उस हालात के हमसे अलग देख रहा है? तो वहीं से रिश्ते में गरबाई आती है। जब आप भावना को समझते हैं, तो आप सुनते की ओर बदलते हैं। रिश्ते में सही होने से कहीं ज्यादा जरूरी होता है साथ रहना।

रिश्ते में बायी-बारी की अहमियत मत भलिए।

रिश्ते में हमें सिखाया गया था, बायी-बारी से बोलो, खेलो, समझो, लेकिन बड़े होकर हम अक्सर यही भूल जाते हैं। थेरेपिस्ट जूली मैनोन कहती है कि कई कपल्स बातचीत के दीरांग एक-दूसरे को सुनने के बायी एक-दूसरे पर बोलने लगते हैं। कोई नहीं सुन रहा है और उनसे स्वयं बातचीत करते हैं या दूसरों के साथ साझा करते हैं, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका रहती है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को हो सकता है नुकसान

रिश्तों ने चेतावनी दी है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज्यादा जारी होता है कि फोन को साफ़ करना है।

ज

